संकाय कार्यकलाप

प्रायोजित परियोजनाएँ

परामर्शदायी परियोजनाएँ

सतत शिक्षा पाठ्यक्रम

पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ

मानद कार्य

शैक्षिक व्याख्यान

प्रकाशन

प्रायोजित परियोजनाएँ

इस खण्ड में वर्णित शैक्षिक गतिविधियाँ संकाय सदस्यों द्वारा वैयक्तिक रूप से अन्य संस्थानों, संगठनों आदि के लिए किए गये शोध एवं विकास कार्यों, परामशदायी कार्यों, मान्यताओं, प्रकाशनों तथा मानद कार्यों आदि का विवरण प्रस्तुत करती हैं ।

इस वर्ष विभिन्न प्रयोजक अभिकरणों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के संकाय सदस्यों के लिए कुल रू. 27321660/- बजट की शोध परियोजनाएँ प्रयोजित किया है।

- **एकल विस्तृत चुम्बकीय नौनोकणों हेतु जैवचिकित्सकीय अनुप्रयोगों का संयोजन एवं प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास**, प्रयोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. किन्नरी पारेख**
- **सूक्ष्मदर्शी सार्वभौमिक नाभिकीय द्रव्यमान सूत्र**, प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. अमीय ए. भागवत**
- **प्राथमिक तरिकों एवं संवेदना विश्लेषण का उपयोग कर ब्यूटेनॉल संश्लेषण का प्रमाणीकर**, प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. कल्याण गायन**
- **कार्बनडॉय ऑक्साइड का उपयोग कर जलीय निलम्बन में औषधि नैनौकणों के अवक्षेपण एवं स्थिरीकरण हेतु एक उत्तम प्रक्रिया**, प्रायोजक : जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. समीर वी दलवी**
- **पावर ट्राँसफार्मरों में वक्र विरूपण की गंभीरता का चिन्हाँकन तथा उसका अभिगम करने के लिए एक प्रायोगिक जाँच**, प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रधान अनवेषक : **प्रा. रागवन के.**
- **लिग्नोसेल्युलॉजिक जैवद्रव्यमान से जैव ईंधन के दक्ष उत्पादन हेतु अभियाँत्रिकी ज़ाइमोमोनास मोबिलिस**, प्रायोजक : जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. सुप्रीत सैनी**
- **उत्तम टीका विकसित करने के लिए साल्मोनेल्ला एन्टेरिका में सेल्युलार नेटवर्कस का पुन:क्रमादेशन**, प्रायोजक : जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. सुप्रीत सैनी**
- **पराध्वनिक चालित मिश्रण युक्तियों का उपयोग कर औषधि नैनोकणों का त्वरित अवक्षेपण**, प्रायोजक : जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. समीर वी. दलवी**
- **गैस संवेदी अनुप्रयोगों के लिए मात्रात्मक निकट एवं मध्य-अवरक्त तरंगदैर्ध्य माडुलन वर्णक्रममापी**, प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती**
- **क्षैतिज एवं उर्ध्व प्रणाल कोटि की भट्टियों में अस्थिर भाप जल प्रवाह एवं अतिक्रांतिक जल प्रवाह के अभिकलन हेतु 1-डी ऊष्मीय जलगतिकी कोड का विकास**, प्रायोजक : परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. मनमोहन पाण्डेय**
- **उर्ध्व भू-तकनीकी प्रयोगशाला**, प्रायोजक : मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. अमित प्रशांत**
- **समस्थानिक तरल माध्यम में दाता-ग्राही प्रतिस्थापित पॉलीयिन्स का प्रकाश-संसाधन**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. श्रीराम कनवाह गुण्डीमेड़ा**

- **गोपनीयता व्यवहार एवं अनुभव की अवधारणा का एक संज्ञानात्मक अन्वेषण**, प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. जेसन मंजली**

परामर्शदायी परियोजनाएँ

इस वर्ष विभिन्न प्रयोजक अभिकरणों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के संकाय सदस्यों के लिए कुल रू. 1440000/- बजट की परामर्शदायी परियोजनाएँ प्रयोजित किया है।

- **भाग्यम तेल प्रक्षेत्र के आस-प्रास के क्षेत्र में भूकंपीय अध्ययन**, प्रायोजक : लार्सन एवं टुब्रो – गल्फ प्राइवेट लि. । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, कानपुर तथा खड़गपुर के संयुक्त तत्वावधान में इस परामर्शदायी परियोजना का समन्वयन **प्रा. सुधीर के. जैन** के नेतृत्व में किया गया ।
- **अल्प-लागत-उच्च-तकनीकी स्वचालन पर प्रशिक्षण**, प्रायोजक : अशोक लैलण्ड, प्रधान अन्वेषक : **प्रा. एन. रामकृष्णन**

सतत शिक्षा पाठ्यक्रम

प्रा. अमित प्रशांत तथा **प्रा. अजंता सचान** ने मार्च 8-11, 2011 के दौरान **भूकंप अभियाँत्रिकी के भूतकनीकी पहलु** विषय पर एक स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम आयोजित किया था । इस पाठ्यक्रम में कुल 109 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे NTPC, NPCL, AFCONS, गैमन इंडिया, लार्सन एवं टुब्रो, रिलायंस, HCC, रॉयल-हास्कोइंग, HPCL, BARC, NHPC, PWD, CPWD, TCE, DMRC तथा EIL के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । कुछ अभियाँत्रिकी महाविद्यालयों के छात्र और शिक्षकों ने भी इसमें भाग लिया । **प्रा. सुधीर के. जैन**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर तथा **प्रा. देबाशिष राय**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने भी इस पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया ।

पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ

वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नांकित संकाय सदस्यों को बाहरी संगठनों एवं निकायों से विशेष पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ प्राप्त हुई जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है :

प्रा. नीतिन पढ़ियार (रासायनिक अभियाँत्रिकी) को भारत-अमरीका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (IUSSTF) से **अनुसंधान अध्येता** का पुरस्कार प्राप्त हुआ । इन्होंने जुलाई 2010 में एक वर्ष के लिए इस अध्येतावृत्ति पर कार्य करना आरंभ किया तथा फिलहाल कार्नेगी मेलान विश्वविद्यालय, अमरीका में अनुसंधान कार्य कर रहे हैं ।

प्रा. बसुदेव गुहा-खासनोबिस (अर्थशास्त्र) को **वाणिज्य** पत्रिका के संपादक मण्डल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है । वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाश्य ।

प्रा. मुरली दामोदरन (यांत्रिकी अभियाँत्रिकी) को (**PARENG 2011**) सम्मेलन के संपादक मण्डल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया । **पारेंग 2011 वस्तुतः समानान्तर, वितरण एवं अभियाँत्रिकी के लिए ग्रिड एवं मेघ अभिकलन पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन** है जो कि अजासियो, कोरसिका, फ्राँस में अप्रैल 12-15, 2011 के दौरान आयोजित किया गया था ।

प्रा. समीर दलवी (रासायनिक अभियाँत्रिकी) को वर्ष 2010-11 के लिए अभियंता संस्थान (भारत) द्वारा **आई ई आई युवा अभियंता** पुरस्कार से नवाजा गया ।

प्रा. सुप्रीत सैनी (रासायनिक अभियाँत्रिकी) को जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2010 के लिए **अन्वेषी युवा जैवप्रौद्योगिकीविद्** पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

मानद कार्य

प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती, विद्युत अभियाँत्रिकी

- विश्वकर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय, अहमदाबाद के एम.टेक.छात्रों को प्रायोगिक पद्धति पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाया ।

प्रा. डी.वी.पै, गणित

- सदस्य, परियोजना प्रबंधन एवं मॉनिटरन समिति (PMMC), अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र (CIMS), बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
- सह संपादक, एशियन यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, वर्ल्ड साइंटिफिक प्रकाशक, लंदन एवं सिंगापुर ।
- समीक्षक, मैथमेटिक्स रिव्युज (अमरीकन मैथमेटिकल सोसायटी)

प्रा. धीरेन पटेल, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी

- बृहद् पैमाना जैवमीतीय पहचान प्रबंधन तंत्र की कार्यशाला में कार्यक्रम सह-अध्यक्ष, सी-डैक मुंबई, जनवरी 23-24, 2011
- सदस्य, तकनीकी समिति, भारत सरकार मानव संसाधन विकाम मंत्रलय केन्द्रीय परामर्श बोर्ड - ए आई ई ई ई, 2011
- सदस्य, मुख्य समिति जागरूकता, भारत सरकार, डी आई टी सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता परियोजना 2010
- सदस्य, पी आर जी एस, भारतीय ए एफ आई एस परियोजना डी आई टी 2010-11

प्रा. जॉयसी मेकी, विद्युत अभियाँत्रिकी

- एस वी एन आई टी, सूरत के अभियाँत्रिकी विभाग के छात्र का एम.टेक. शोधप्रबंध परीक्षक

प्रा. किन्नरी पारेख, भौतिकी

- 55वें डी ए ई ठोसावस्था भौतिकी परिसंवाद की पाण्डुलिपि समीक्षक, आयोजक, भा भा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई ।
- पाण्डुलिपि समीक्षक, मैग्नेटिज्म एंण्ड मैग्नेटिक मटेरियल्स जर्नल, एल्सेवियर एवं जर्नल ऑफ नैनोपाटिकल रिसर्च, स्प्रींगर प्रकाशन

प्रा. कोशी थरकन, दर्शनशास्त्र

- समकालीन भारतीय दर्शन पर एन पी टी ई एल पाठ्यक्रम की समीक्षा, भा प्रौ सं मुंबई को प्रस्तुत किया ।

प्रा. के वी वी मूर्ति, विद्युत अभियाँत्रिकी

- वी टी यू कर्नाटक को प्रस्तुत पी एचडी शोध प्रबंध का मूल्यांकन

- प्रगत अभिकलन, नियंत्रण एवं संचार 2011 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई सी ए सी 3'11) में 7 अभिपत्रों की समीक्षा तथा तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित हुए । संयोजक : फादर कान्सिको रॉड्रिग्ज कॉलेज ऑफ इंजि, बान्द्रा, मुंबई, जनवरी 28-29, 2011
- सदस्य, शासी परिषद, एन एम ए एम प्रौद्योगिकी संस्थान, नित्ते, कर्नाटक

प्रा. एस.एल.नारायनणमूर्ति, रासायनिक अभियाँत्रिकी

- केन्द्रीय आबकारी आयोग को मानद तकनीकी सलाह

प्रा. सुधीर के. जैन, सिविल अभियाँत्रिकी

- कार्यकारी उपाध्यक्ष, भूकंप अभियाँत्रिकी अन्तर्राष्ट्रीय संघ
- अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकलाप समिति, भूकंप अभियाँत्रिकी अनुसंधान संस्थान, अमरीका
- सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, एन आई आई टी विश्वविद्यालय, निमराना, राजस्थान
- सदस्य, आई एन ए ई रजत जयंती समारोह समिति, भारतीय राष्ट्रीय अभियंता अकादमी
- सदस्य, सहालकार संपादन मण्डल, अर्थक्वेक इंजिनियरिंग एण्ड स्ट्रक्चरल डायनामिक्स, जॉन विले एण्ड सन्स
- सदस्य, संपदक मण्डल, अर्थक्वेक इंजिनियरिंग एण्ड इंजिनियरिंग वाइब्रेशन्स, स्प्रींगर वलैग

ए एल चक्रवर्ती

डी वी पै

डी पटेल

जे मेकी

के. पारेख

कोशी थरकन

के वी वी मूर्ति

एस एल नारायणमूर्ति

एस के जैन

शैक्षिक व्याख्यान

- **प्रा. एस.एल.नारायणमूर्ति** ने 'उत्कृष्ट उच्चशिक्षा के लिए प्रोत्साहन हेतु ढाँचा' विषय पर फिक्की-गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित 'गुजरात में उच्च शिक्षा एवं दक्षता विकास' संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया, अप्रैल 2010
- **प्रा.धीरेन पटेल** ने बहरीन इंटरनेट सोसायटी द्वारा प्रायोजित 'क्लाउड कम्प्यूटिंग' विषय पर एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया ।
- **प्रा. किन्नरी पारेख** ने कोरिया भूविज्ञान एवं खनिज संसाधन संस्थान (के आई जी ए एम) में खनिज संसाधन एवं नैनोतरल के क्षेत्र में ग्रीष्म सत्र 2010 में एक माह तक शोध कार्य किया । उन्होंने पॉल स्केरर संस्थान, स्वीजर्लैण्ड में भी जून 28, 2010 से जुलाई 11, 2010 के दौरान शोधकार्य किया ।
- **प्रा. के वी वी मूर्ति** ने जुलाई 12-16 2010 के दौरान लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालन्धर तथा पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए संकेत एवं तंत्र विषय पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया ।
- **प्रा. के वी वी मूर्ति** तथा **प्रा. डी वी पै** ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित कर्मचारी विकास कार्यक्रम में 'अभियाँत्रिकी व्यवसाय में गणितीय अनुप्रयोग' विषय पर व्याख्यान दिया । इस कार्यक्रम का आयोजन एल जे इंस्टिट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी, अहमदाबाद द्वारा 30 जून से 1 जुलाई 2010 के दौरान किया गया था ।
- **प्रा. बिरेश्वर दास** ने धीरू भाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर में जुलाई 15-17, 2010 के दौरान आयोजित फार्मल मेथड्स अपडेट मिटिंग में भाग लिया ।
- **प्रा. धीरेन पटेल** ने अगस्त 20-23, 2010 के दौरन दुबई और आबूधाबी की यात्रा किया और सेक्योर मैट्रिक्स इंडिया प्रा. लि. को परामर्शदायी सेवाएँ प्रदान किया ।
- **प्रा. दीप्ति शंकर** ने 'सार्वभौमिक आर्थिक संकट : अनुभव एवं प्रभाव' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अभिपत्र प्रस्तुत किया, स्वीजर्लैण्ड, सितम्बर 10-11, 2010
- **प्रा. सुधीर के.जैन** ने 'इन्नोवेटिव बिल्डिंग टेक्नॉलॉजिस फॉर अफोर्डेबल मास हाऊसिंग, विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया , अक्तूबर 28, 2010
- **प्रा. चिन्मय घोरोई** ने AIChE वार्षिक बैठक में दो अभिपत्र पस्तुत किए, साल्ट लेक सिटी, यूटी, अमरीका, नवम्बर 7-12, 2010
- **प्रा. कोशी थरकन** ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा शासकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विज्ञान, समाज एवं स्वतंत्रता विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक विज्ञान की पद्धतियाँ : एक घटनाक्रियाविज्ञानात्मक संभाव्यता' विषय पर अभिपत्र प्रस्तुत किया, नवम्बर 12-13, 2010
- **प्रा. डी वी पै** ने गणितीय विज्ञान केन्द्र, पाला परिसर, अरूणापुरम, केरल में मैट्रिक्स पद्धति पर आगामी 2011 एस ई आर सी स्कूल के नियोजन समिति बैठक की अध्यक्षता की , नवम्बर 18-19, 2010
- **प्रा. सुप्रीत सैनी** ने जैव ईंधन का भविष्य : अगली पीढ़ी के ईंधन 2010 सम्मेलन में अभिपत्र प्रस्तुत किया, दिल्ली, नवम्बर 30-दिसम्बर 2, 2010
- **प्रा. के वी वी मूर्ति** ने पारूल अभियाँत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बडौदा में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया, दिसम्बर 4-5, 2010
- **प्रा. सुब्रत पाल** ने सैद्धांतिक रसायनशास्त्र परिसंवाद 2010 में अपना अभिपत्र प्रस्तुत किया, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, दिसम्बर 8-12, 2010

- **प्रा. किन्नरी पारेख** ने नैनोप्रौद्योगिकी नैनो-ईईबी पर आयोजित एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में अभिपत्र प्रस्तुत किया, संत ओसियस कॉलेज, मंगलौर, दिसम्बर 14-16, 2010
- **प्रा बिरेश्वर दास** गणितीय विज्ञान संस्थान चेन्नै में आयोजित कार्यशाला फाउण्डेशन्स ऑफ सॉफ्टवेयर टेक्नॉलॉजी एण्ड थियरेटिकल कम्प्यूटर साइंस (FSTTCS), दिसम्बर 15-18, 2010
- **प्रा नारन पिण्डोरिया** ने भारतीय उद्योग संघ एवं गुजरात सरकार द्वारा अहमदाबाद में आयोजित भारतीय ऊर्जा कॉन्क्लेव 2010में भाग लिया, दिसम्बर 20, 2010
- **प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती** ने तंतु प्रकाशिकी एवं फोटोनिक्स विषय पर आयोजित फोटोनिक्स 2010 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अभिपत्र प्रस्तुत किय, गौहाटी, दिसम्बर 11-15, 2010
- **प्रा. जॉसयी मेकी** ने वी एल एस आई अभिकल्प पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, चेन्नै, जनवरी 2-7, 2011
- **प्रा. कोशी थरकन** ने सार्वभौमिकरण, मूल्य एवं विश्व शांति विषय पर गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'गाँधी एवं पर्यावरणीय संवाद : सार्वभौमिकरणोपरांत कालावधि में मानवशास्त्रीय संकेन्द्रण एवं वात संकेन्द्रण के संश्लेषण की ओर, शीर्षक पर अपना अभिपत्र प्रस्तुत किया, अहमदाबाद, जनवरी 7-8, 2011
- **प्रा. धीरेन पटेल** ने सिटी यूनिवर्सिटी लंदन और ब्रिटिश टेलीकॉम का क्लाऊड कम्प्यूटिंग सुरक्षा से संबंधित अनुसंधान कार्य के लिए दौरा किया, दिसम्बर 14, 2010 से जनवरी 8, 2011
- **प्रा. अभिजित सरकार** ने अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सम्मेलन 2011 में 'भारतीय रेटिंग अभिकरणों की प्रभावशीलता : बैंक अधिनस्थ कई मामलों को प्रदत्त रेटिंग की समीक्षा' विषय पर अभिपत्र प्रस्तुत किया , आई आई एम कलकत्ता, जनवरी 9-12, 2011
- **प्रा. पिया थिलमॅन** ने लक्ष्मी निवास मित्तल सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में 'लेखन हाशिए पर : मालावी के कुछ महिला लेखिकाओं पर प्रभाव' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- आई एस आर गाँधीनगर में जनवरी 22-24, 2011 के दौरान आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद में **प्रा. सुधीर के. जैन** ने '2001 भुज भूकंप एवं भूकंप विज्ञान में प्रगति' विषय पर आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया ।
- **प्रा. जगमोहन त्यागी** ने प्रायोगिक गणित विभाग, महाराज सयाजी गायकवाड़ विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 'संकेत परिवर्तनशील अरैखिकता सहित अर्धरैखिक दीर्घवृत्तिय तंत्र के वर्ग हेतु एक गैर-ऋणात्मक समाधान की विद्यमानता'विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया, जनवरी 23, 2011
- **प्रा. दीप्ति शंकर** ने 'सार्वभौमिकता – क्या 21वीं सदी एशिया की होगी' विषय पर माउण्ट कार्मेल प्रबंधन संस्थान बंगलौर द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की तकनीकी सत्र की अध्यक्षता किया, जनवरी 27-28, 2011
- **प्रा.एन. रामकृष्णन** ने मुन्द्रा बंदरगाह पर आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया, कच्छ, गुजरात, जनवरी 28, 2011
- **प्रा. कोशी थरकन** ने बलवंत पारेख सेंटर फार जनरल सेमेटिंक्स तथा अन्य मानवीय विज्ञान एवं समकालीन सिद्धांत फोरम द्वारा आयोजित 'अनुशासन संबंधी अवनति काल में मानवीय विज्ञान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में 'आधुनिकतापश्चात काल में मानवीय विज्ञान' विषय पर अभिपत्र प्रस्तुत किया। बड़ौदा, फरवरी 10-12, 2011
- **प्रा. बिरेश्वर दास** ने विज्ञान खोज एवं अन्वेषण हेतु अभिकलन : एक रूपरेखा, विषय पर होमी भाभा ऑडिटोरियम, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई में फरवरी 18-19, 2011 के दौरान आयोजित सम्मेलन में भाग लिया ।

- **प्रा. पिया थिलमॅन** ने धीरूभाई अंबानी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में भारत-जर्मनी : सांस्कृतिक विविधता विषय पर एक व्याख्यान दिया, फरवरी 22, 2011
- **प्रा. बी डी अग्रवाल** ने ए एस एम ई के छात्र नेतृत्व संगोष्ठी में अभियाँत्रिकी पाठ्यक्रम में मानविकी एवं समाज विज्ञान की भूमिका विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, एस के आई टी, जयपुर, फरवरी 27, 2011
- **प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती** ने वार्षिक फोटोनिक्स कार्यशाला में तंतु-प्रकाशिक संवेदकों के औद्योगिक उपयोग विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, कोचिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचिन, केरल, फरवरी 28, 2011
- **प्रा. पिया थिलमॅन** ने 10वें द्विवार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संध, भारत द्वारा आयोजित सम्मेलन में बाल साहित्य के माध्यम से लिंग भूमिका को प्रोत्साहन (सुनम्यता): मालावी से एक उदाहरण, विषय पर वार्ता प्रस्तुत किया, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर, मार्च 4, 2011
- **प्रा. पिया थिलमॅन** ने अम्मा दारको के उपन्यासों में दो विश्वों की महिलाएँ विषय पर प्लेनरी वार्ता प्रस्तुत किया, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, किसनगढ, राजस्थान, मार्च 8, 2011
- **प्रा. अभिजीत सरकार** ने गुरूनानक देव विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय परिसंवाद – सह – कार्यशाला में पैनल डाटा पर एक सत्र का संचालन किया, अमृतसर, मार्च 9-10, 2011
- **प्रा. नारन पिण्डोरिया** ने एस आर पी ई सी, मेहसाणा में अभिकलनीय बुद्धित्ता : पद्धति एवं अनुप्रयोग विषय पर वार्ता प्रस्तुत किया, गुजरात, मार्च 10, 2011
- **प्रा. के वी वी मूर्ति** ने स्वामी केशवानंद प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में 'फूरियर तथा संबंधित रूपांतरणों एवं अनुप्रयोगों पर सदिस-आकाश विवेचन' विषय पर दो आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए, मार्च 31, 2011

प्रकाशन

संस्थान अपने संकाय सदस्यों को देश-विदेश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलन की कार्यवाहियों में प्रकाशन और प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने शोधकार्यों को व्यापक समीक्षा करवाने के लिए सक्रिय रूप से प्रेरित और प्रोत्साहित करता है । इन गतिविधियों से संकाय सदस्यों को न केवल अपने कार्य पर महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है, अपितु राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक क्षेत्र में संस्थान की लोकप्रियता भी बढ़ती है । पुस्तकों, पुस्तको के अध्याय और मोनोग्राफ आदि के माध्यम से संस्थान, ज्ञान के प्रथा प्रसार को भी प्रोत्साहित करता है । वर्ष 2010-11 के दौरान संकाय के प्रकाशनों की सूची इस प्रकार है:

पुस्तकें

प्रा. गुहा-खासनोबिस ने जो बेल्ल तथा रवि कानबुर के सहलेखन में **अर्बनाइजेशन एण्ड डेवलपमेंट : मल्टिडिसिप्लीनरी प्रास्पेक्टिव**, शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित करावाई है । यह पुस्तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस (यूके) से प्रकाशित हुई है । 2010 ISBN: 978-0-19-959014-8.

प्रा. वेदान्त कदंबी ने एम.प्रसाद के सहलेखन में **एन इन्ट्रोडक्शन टू एनर्जी कन्वर्सन, खण्ड 3, टर्बोमशीनर**, द्वितीय संस्करण का प्रकाशन करवाया है । यह पुस्तक न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित है । ISBN:978-81-224-3189-6, 2011.

पुस्तकों में पाठ

दीप्ति शंकर, 'प्रातिभ संपत्ति अधिकार एवं पारंपरिक ज्ञान : भारतीय अनुभव' नादिया अशेउलोवा एवं अन्य (संपादित), 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान उदारीकरण : विज्ञान नीति में अध्ययन', संत पिट्सबर्ग : रसियन विज्ञान अकादमी, पृ. 474-506, 2010.

थेरेसा युरास्जेक, पीटर चैंग, **कल्याण गायेन**, एरिक क्वी, हेनरी मिरस्की तथा फ्रांसिस जे डोएले 3, 'इन-सिलिको जीवविज्ञान हेतु पद्धातियाँ : प्रतिरूप निर्माण एवं विश्लेषण, डेनियल एल यंग एवं सेथ मिशेलसन (संपादित), 'औषध खोज एवं विकास में तंत्र जीवविज्ञान' जॉन विले एण्ड सन्स इंक (2011), ISBN: 978-0-470-26123-1.

पिया थिलमॅन, 'जर्मनी संबंधी लेखन : अम्मा डार्कोस वियाण्ड द होराइजन एण्ड बेब्स' टेक्ट्स एण्ड थियरिज़ इन ट्रांजिशन : ब्लैक अफ्रीकन लिटरेचर एण्ड इमैजिन्ड ट्रेडिशन, संपादक : चार्ल्स बौदे, बायरूथ 2010, 216-227.

प्रख्यात पत्रिकाओं में प्रकाशित अभिपत्र

के. रूक्सटॉन, **ए. एल. चक्रवर्ती**, डब्ल्यू. जॉन्स्टॉन, एम. लेंगडेन, जी. स्टीवार्ट तथा के. डुफ्फिन, 'ट्यूनेबल डायोड लेज़र स्पेक्ट्रोस्कोपी विथ वेवलेंथ माडुलेशन : एक फास्फोरस अवक्षेपण उपागम में अवशिष्ट आयाम माडुलन', सेंसर्स एण्ड एक्चुएटर्स बी : केमिकल, खण्ड 150, No. 1, पृष्ठ 367-375, सितम्बर 2010.

ए. एल. चक्रवर्ती, के.रूक्सटॉन तथा ब्ल्यू .जॉन्स्टॉन , 'द्वितीय अनुकंपी तरंगदैर्ध्य माडुलन वर्णक्रमदर्शी में संकेत हेतु माडुलन योगदान की तीव्रता का दमन', ऑप्टिक्स लेटर्स, खण्ड 35, अंक 14, पृ. 2400-2402 (2010) पृ.

जे. त्यागी, 'द्वितीय क्रम रैखिक अवकल समीकरण हेतु एक दोलन कसौटी', नानलिनियर डायनामिक्स एण्ड सिस्टम्स थियरी, खण्ड11 (1), 93-97, 2011.

आर. कार्तिकेयन, के. मणिकवासगम तथा **के. वी. वी. मूर्ति**, 'समानांतर कैसकेड नियंत्रण हेतु अस्पष्ट तर्क आधारित नियंत्रण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्ट्रोल एण्ड सिस्टम्स इंजिनियरिंग (ICGST-ACSE) खण्ड 10, अंक 2, पृ 39-48, दिसम्बर 2010.

एम. कुमार तथा **के. गायेन**, 'जैव-ब्यूटेनॉल उत्पादन में विकास : नई अन्तर्दृष्टि', एप्लाइड एनर्जी 88, 1999-2010 (2011).

जे. ई. शुमाकर, **के. गायेन**,एन. गैर्सियो-रिएरो, ई. जे. पर्किन्स, डी. एल. विलेन्वुवे, एल. लियु, एफ. झे. डोएल 3, 'फेदर्ड मिन्नव स्टिरियोजनेसिस : इन सिलिको विश्लेषण से तिर्यकवार्ता हेतु साधारण लक्ष्य प्रभावशीलत एवं मजबूती का प्रकटन, बी एम सी सिस्टम्स बायोलॉजी, 4:89 (2010).

के. गायेन तथा **एम. कुमार**, एम. राजवंशी तथा के. वी. वेंकटेश, 'मिश्र अध:स्तर (ग्लूकोज एवं लैक्टेट) पर कोर्नेबैक्टेरियम ग्लूटामिकम की वृद्धि के दौरान इष्टतम लाइसिन संश्लेषण का इन-सिटिको प्रमाणीकरण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी एण्ड बायोकेमिस्ट्री, 6:1117-1134, (2010).

के. पारेख तथा एच. एस. ली, 'चुम्बकीय नौनोतरल के ऊष्मीय संवाहकता में चुम्बकीय क्षेत्र प्रेरित संवृद्धि', एप्लाइड फिजिक्स पत्रिक, 107 (1) (2010) 09A310.

के. पारेख, ' $CoFe_2O_4$ नैनोकणों के चुम्बकीय गुणधर्म पर आरंभिक स्थिति का प्रभाव ', इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड फिजिक्स 48 (8) (2010) 581.

आर. वी. उपाध्याय, **के. पारेख**, ए. बनर्जी तथा के. कुमार, 'दुर्लभ मृदा प्रतिस्थापित मैग्नेटाइट फेरोफ्लूयिड्स में एसी अतिसंवेदनशीलता अध्ययन', फिजिक्स प्रोसिडिया, 9 (2010) 32. ISSN: 1875-3892.

के. थरकन,'अन्य सभ्यताओं का तात्पर्य : सांस्कृतिक सापेक्षवाद का घटनाक्रियावैज्ञानिक समालोचना', जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसॉफिकल रिसर्च, खण्ड XXVII, अंक 4, 2010, पृ 61-74.

एस. पी. लक्ष्मणन तथा **एम. पाण्डेय**, 'एक प्राकृतिक परिचालित उबलतीजल भट्टी हेतु पॉवर रैंपिंग प्रविधि की सांख्यिकीय जाँच', न्यूक्लियर इंजिनियरिंग एण्ड डिजाइन, 240 (4), पृ.860-867, 2010.

एस. पी. लक्ष्मणन तथा **एम. पाण्डेय**, 'समानांतर प्रणाल प्राकृतिक परिचालन उबलन तंत्र में आरंभिक अस्थिरता का सांख्यिकीय

जॉच', साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी ऑफ न्यूक्लियर इन्स्टालेशन (हिन्दवी) खण्ड 2010, लेख ID574195, 8 पृ, doi:10.1155/2010/574195, 2010.

जी. वी. दुर्गा प्रसाद तथा **एम. पाण्डेय**, 'एक नाभिकीय-संयुग्मित द्विप्रणाल प्राकृतिक परिचालन उबालतंत्र में प्रतिक्रिया अस्थिरता एवं अरैखिक दोलनों पर प्राचलमितीय प्रभाव', न्यूक्लियर इंजिनियरिंग एण्ड डिजाइन 240 (5), पृ 1097-1110, (2010).

आर एस पाटिल, एम. पाण्डेय तथा पी. महन्त, 'परिचालित तरलीकृत संस्तर खड़पट्ट के ऊपरी छिड़काव प्रक्षेत्र में ऊष्मा स्थानांतरण अभिलक्षणन पर मात्रावृद्धि का प्रभाव', जर्नल ऑफ एनर्जी एण्ड पावर इंजिनियरिंग, 4 (6), क्रमांक. 31, (2010).

आर एस पाटिल, **एम. पाण्डेय** तथा पी. महन्त, 'परिचालित तरलीकृत संस्तर खड़पट्ट के मध्य छिड़काव प्रक्षेत्र में ऊष्मा स्थानांतरण अभिलक्षणन पर मात्रावृद्धि का प्रभाव', IMechE की कार्यवाही, खण्ड - A, जर्नल ऑफ एनर्जी एण्ड पावर इंजिनियरिंग, 224 (A8), 1059-1068, (2010).

आर एस पाटिल, **एम. पाण्डेय** तथा पी. महन्त, 'परिचालित तरलीकृत संस्तर खड़पट्ट के दिवाल से संस्तर का प्राचलिक अध्ययन एवं मात्रावृद्धि का प्रभाव', एक्सपेरिमेंटल थर्मल एण्ड फ्लूइड साइंस, 35 485494, (2011).

पी. घलसासी तथा पी. एस. घलसासी,' BeF_2: - क्वार्टज का एकल केलाश क्ष-किरण संरचना', इन्आर्गेनिक केमिस्ट्री, 50(1),8689, (2011).

ए. विश्वकर्मा, **पी. घलसासी** तथा पी.एस.घलसासी, 'एनिलिनीयम क्लोराइड के निकट प्रावस्था रूपांतरण का तापमान निर्भर रमण स्पेक्ट्रास्कोपी', फिजि.स्टेटस सोलिडी, B, 15 (2011) /doi 10.1002/pssb.201046440.

एस. लाहिड़ी, 'मैं कहाँ से आई हूँ, मैं कहाँ की रहने वाली हूँ? भारती मुखर्जी के डिजरेबल डाटर्स तथा झुंपा लाहिड़ी के द नेमसेक में पहचान एवं स्नेहनिवृत्ति', साउथ एशियन रिव्यू, 31.1 (2010), 118-140.

एस. लाहिड़ी, 'शेक्सपीयर की क्लियोपात्रा : एक महिलावादी अध्ययन', द अटलॉटिक लिटरेरी रिव्यु, 11.3 (2010), 15-28.
बी.के.रस्तोगी, ए.पी.सिंह, बी.श्रीराम, एस. के. जैन, एफ. नेको, एस. सेगवान तथा जे. मात्सुओ, 'कार्यस्थल प्रभाव की संभाव्यता :गुजरात भूकंप के उपरांत अंजार के हालात', सेस्मोलॉजिकल रिसर्च लेटर्स, खण्ड 82, अंक 1, पृ. 59-68, 2011, जनवरी-फरवरी

एस. के. गुण्डिमेड़ा तथा जी. बी. शूटर, 'द्विस्तरीय डी एन ए में मूल कैटायन स्थानांतरण एवं प्रतिक्रिया पर धनावेशित पृष्ठवंशीय संमूह का प्रभाव ', Can. J. Chem. 89(3): 326 - 330 (2011).

एस. सैनी, पी. डी. अल्ड्रिज तथा सी. वी. राव,'साल्मोनेला एन्ट्रिक में σ28-FlgM नियामक परिपथ द्वारा झालरदार जीन अभिव्यक्ति का सतत नियंत्रण', मॉलिकुलर माइक्रो बायोलॉजी, 2010; doi: 10.1111/j.1365-2958.2010.07444.x.

एस. सैनी, जे. एम. सलुचा,पी. डी. अल्ड्रिज तथा सी. वी. राव,'झालरदार साल्मोनेला पैथोजनेसिटी आइलैण्ड 1 (SPI1), तथा टाइप I फिम्ब्रीयल जीन के गतिक अभिव्यक्ति के नियामन में तिर्यकवार्ता की भूमिका', जर्नल ऑफ बैक्टिरियोलॉजी, 2010; 192: 5767 - 5777.

एस. सैनी, जे. आर एर्लेमेइयर, जे. एम. सलुचा तथा सी. वी. राव, 'साल्मोनेला में SPI1 प्रकार के तीन स्राव तंत्रों की अभिव्यक्ति में संयुग्मित सकारात्मक प्रतिपुष्टि की भूमिका', PLoS पैथेजीन्स, 2010,6(7): e1001025. doi:10.1371/journal.ppt.1001025.

एस. सैनी तथा सी. वी. राव, 'साल्मोनेला पैथेजेनिटी आईलैण्ड1(SPI1) तथा SPI4 के बीच संपर्क', जर्नल ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी, 2010; 192: 2459 - 2462.

एस. सैनी, एस. कोइराला, ई. फ्लोएस, पी. जे. मेयर्स, वाई. आर. केमला, आई. गोल्डिंग, सी. एल्ड्रिज, पी. डी. एल्ड्रिज तथा सी. वी. राव, 'झालरदार जीन अभिव्यक्ति में FliZ गतिक स्विच को प्रेरित करता है', जर्नल ऑफ बैक्टिरियोलॉजी, 2010, doi : 10 . 1128 / JB .00751-10.

सी. एल्ड्रिज, के. पूनचर्येन, **एस. सैनी**, टी. इवन, ए. सोलाव्य, सी. वी. राव, के. इमादा, टी. मिनामिनो तथा पी. डी. एल्ड्रिज, 'साल्मोनेला एण्टेरिका सेरोवर टायफुमिरियम में एक ऋणात्मक प्रतिपुष्टि की अन्योन्याश्रित गतिकी', मॉलिकुलर माइक्रोबायोलॉजी, 2010, doi:10.1111/j.1365-2958.2010.07415.x.

पी. एफ. कोल्लेट्टी, **वाई. गोयल**, ए. एम. वर्मन, एक्स. फेंग, बी. वू तथा वाई जे. टैंग, 'सांख्यिकीय एवं क्रमिक चरांकों सहित रैखिक समाश्रयण द्वारा जीवाणुवीय संश्लेषण उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन', विले पिरियॉडिक्लस की एक पत्रिका, (ऑनलाइन, नवम्बर 12, 2010 doi 10.1002/ bit. 22996)

सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशित अभिपत्र

बी. दास,वि. अरविंद, जे. कोएब्लर तथा एस. तोड़ा, 'रंगीन हाइपरग्राफ आइसोमॉफिज्म एक स्थिर प्राचल ट्रैकटेबल है', प्रक्रियासामग्री प्रौद्योगिकी एवं सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान के फाऊण्डेशन की कार्यवाही, (FSTTCS) 2010, पृष्ठ 327-337.

ए. एल. चक्रवर्ती तथा डब्ल्यू. जॉनस्टोन, 'गैस परिमापन हेतु मात्रात्मक तरंगदैर्ध्य माडुलन स्पेक्ट्रोस्कोपी लेज़र तीव्रता माडुलन प्रभाव का निर्मूलन' SPIE फोटोनिक्स 2010 की कार्यवाही

एम. जोशी, पी. गज्जर, एस. रविशंकर तथा **के. वी. वी. मूर्ति**, 'सुदूर संवेदी छवियों में बहु-विभेदी संलयन गिब्बस प्रियॉर तथा PSO इष्टतमीकरण का उपयोग', अन्तर्राष्ट्रीय भूविज्ञान एवं सुदूर संवेदन परिसंवाद (IGARSS 2010), पर 2010 IEEE की कार्यवाही, होनोलूलू, हवाई, अमरीका पृ. 480- 483, जुलाई 25-30 2010.

एम. जोशी, अभिषेक एस., पी. नन्दा, एस. रविशंकर तथा **के. वी. वी. मूर्ति**, 'सुदूर संवेदी छवियों के बहु-विभेदी संलयन हेतु MAP-MRF आकलन' अन्तर्राष्ट्रीय भूविज्ञान एवं सुदूर संवेदन परिसंवाद (IGARSS 2010), पर 2010 IEEE की कार्यवाही, होनोलूलू, हवाई, अमरीका पृ. 484- 487, जुलाई 25-30 2010.

एस. दास*, 'बेंजीप्रोफिरिन्स की विस्तारित रेखीयता', रासायनिक विज्ञानों की सीमाएँ विषश पर राष्ट्रीय सम्मेलन (FICS), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गौहाटी, दिसम्बर 3-4, 2010.

एम. कुमार तथा **के.गायेन**,'क्लोस्ट्रीडियम एक्सेटोव्यूटीलिकम का उपयोग कर के बायोब्यूटेनॉल उत्पादन का चयापचयी नेटवर्क विश्लेषण', केमकॉन 2010 (भारतीय रासायनिक अभियाँत्रिकी काँग्रेस), भारतीय रासायनिक अभियाँत्रिकी काँग्रेस की 63वीं वार्षिक बैठक, अन्नामलाइ विश्वविद्यालय, दिसम्बर 27-29, 2010

के. पारेख तथा एच.एस.ली, 'CuO नैनोफ्लूइड की ऊष्मीय संवाहकता पर तापमान का प्रभाव', नैनोटेक्नॉलॉजी से ऊर्जा, पर्यावरण तथा जैवप्रौद्योगिकी के उपयोग पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही, NANO-EEB, मंगलौर (2010) 55. ISBN: 978-81-920274-0-1.

जी. मण्डल तथा **एस. के. जैन**, 'मिट्टी की अरैखिकता को ध्यान में रखते हुए सोइल-वेल-पियर तंत्र का द्विविमीय अरैखिक भूकंपीय विश्लेषण ', भूकंप अभियाँत्रिकी पर 9वें संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय एवं 10वें कनाडियन सम्मेलन की कार्यवाही' सीडी रोम अभिपत्र संख्या 950, टोरंटो, कनाडा, जुलाई 25-29, 2010.

डी. सी. राय तथा **एस. के. जैन**,'भारत में भवन निर्माण हेतु एक उपयुक्त प्रौद्योगिकी के रूप में सीमित राजगिरी को प्रोत्साहित करने में NICEE की भूमिका ', भूकंप अभियाँत्रिकी पर 9वें संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय एवं 10वें कनाडियन सम्मेलन की कार्यवाही' सीडी रोम अभिपत्र संख्या 1689, टोरंटो, कनाडा, जुलाई 25-29, 2010.

एस. के. जैन, के. मित्रा, एम. कुमार तथा एम. शाह, 'भारत में प्रबलित काँक्रिट फ्रेमयुक्त भवनों हेतु एक त्वरित दृक् भूकंपीय मूल्यांकन की प्रविधि', भूकंप अभियाँत्रिकी पर 9वें संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय एवं 10वें कनाडियन सम्मेलन की कार्यवाही' सीडी रोम अभिपत्र संख्या 972, टोरंटो, कनाडा, जुलाई 25-29, 2010.

एस. के. जैन, 'भूकंपीय जोखिम को कम करने की दिशा में भारत में कुछ नवीन क्षमता निर्माण कार्यकलाप', भूकंप अभियाँत्रिकी पर 9वें संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय एवं 10वें कनाडियन सम्मेलन की कार्यवाही' सीडी रोम अभिपत्र संख्या 1677, टोरंटो, कनाडा, जुलाई 25-29, 2010.

सम्मेलनों में प्रस्तुत अभिपत्र

के. रूक्सटॉन, **एस. एल. चक्रवर्ती**, डब्ल्यू. जॉनस्टॉन तथा जी. स्टीवार्ट, 'तरंगदैर्ध्य माडुलन सहित टुनेबल डायोड लेज़र : वर्तमान तकनीकें एवं अभिप्रेरण', PHOTON 10, साउथम्पटन, यूके, अगस्त 23-26, 2010.

ए. एल. चक्रवर्ती तथा डब्ल्यू. जानस्टॉन, 'गैस सांद्रण एवं दाब के कैलिब्रेशन मुक्त औद्योगिक परिमापन हेतु मिथेन का टुनेबल डायोड लेज़र वर्णक्रममापी', प्रकाशिक एवं प्रकाशइलेक्ट्रॉनिकी में समकालीन प्रवृत्ति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, त्रिवेन्द्रम, जनवरी, 17-19, 2011.

सी. घोरोई, आर. एन. दवे, एक्स. हैन, एक्स.डी.टो, एल.जालो तथा एल.गुरूमूर्ति, 'परामहीन पाउडर के माध्यम से तल सुधार अथवा त्वरित विस्तार का विखराव', निस्शिन अभियाँत्रिकी कण प्रौद्योगिकी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (NEPTIS) 2010, सेन्दाई, जापान, दिसम्बर, 5-8, 2010.

आर. एन. दवे, एल. गुरूमूर्ति, **सी. घोरोई** तथा डी. हैरिस, 'संसक्त APIs के तल सुधार के द्वारा भेषजीय मिश्रणों का प्रवाह सुधार', AAPS वार्षिक बैठक तथा प्रदर्शनी के साथ आयोजित FIP भेषजीय विज्ञान 2010 विश्व कॉग्रेस, न्यू ऑर्लेंस, लॉस एंजल्स, अमरीका, नवम्बर 14-18, 2010.

एक्स. हैन, डी. टो, वाई. चेन, **सी. घोरोई** तथा आर. एन. दवे, 'प्रवाह एवं विलयन के सुधार हेतु एक औजार रूप में तल सुधार का समानान्तर सूक्ष्मीकरण', AAPS वार्षिक बैठक तथा प्रदर्शनी के साथ आयोजित FIP भेषजीय विज्ञान 2010 विश्व कॉग्रेस, न्यू ऑर्लेंस, लॉस एंजल्स, अमरीका, नवम्बर 14-18, 2010.

सी. घोरोई, ए. भाके तथा आर. एन. दवे, 'तल सुधार के विवेकी प्रभाव हेतु भेषजीय पाउडर के प्रवाह, तरलीकरण तथा आवेष्टन गुणधर्मों का बहुचरणीय अभिलक्षणन', AIChE वार्षिक बैठक, साल्टलेक सिटी, यू टी, अमरीका, नवम्बर, 7-12, 2010.

सी. घोरोई, एल. जाल्लो, एल. गुरूमूर्ति, यू. पटेल, डी टो, एल. बीच तथा आर. एन. दवे, 'तल सुधार के माध्यम से भेषजीय पाउडर के प्रवाहकत्व एवं थोक घनत्व में सुधार', AIChE वार्षिक बैठक, साल्टलेक सिटी, यू टी, अमरीका, नवम्बर, 7-12, 2010.

आर. एन. दवे, एल. बीच, एम. पी. मुल्लामेरी तथा **सी. घोरोई**, 'सुधारित पाउडर प्रवाह निष्पादन हेतु नैनो कणों के शुष्क संलेपन के द्वारा संसक्त भेषजीय पाउडर के तल सुधार हेतु एक उत्तम सतत युक्ति', AIChE वार्षिक बैठक, साल्टलेक सिटी, यू टी, अमरीका, नवम्बर, 7-12, 2010.

आर. एन. दवे, एल. गुरूमूर्ति, **सी. घोरोई** तथा डी. हैरिस, 'संसक्त ए पी आई तल सुधार के माध्यम से भेषजीय मिश्रण का प्रवाह सुधार', AIChE वार्षिक बैठक, साल्टलेक सिटी, यू टी, अमरीका, नवम्बर, 7-12, 2010.

आर. एन. दवे, एक्स. हैन तथा **सी. घोरोई**, 'भेषजीय पाउडरों के सुधारित प्रवाह एवं विलयन हेतु एक औजार के रूप में समानान्तर सूक्ष्मीकरण एवं तल सुधार', AIChE वार्षिक बैठक, साल्टलेक सिटी, यू टी, अमरीका, नवम्बर, 7-12, 2010.

एल. गुरूमूर्ति, **सी. घोरोई** तथा आर. एन. दवे, 'शुष्क कण संलेपन द्वारा संसक्त भेषजीय पाउडरों के प्रवाहकत्व में सुधार', 2010

NJPhAST पोस्टर प्रस्तुत (न्यू जर्सी फार्मास्यूटिकल एशोसिएशन फार साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी), कंपीटीशन, मई 20, न्यू जर्सी, अमरीका, पोस्टर को स्नातक छात्रवृत्ति का पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

के. पारेख तथा आर.वी.उपाध्याय, 'Fe_3O_4 एकल विस्तृत नैनोचुम्बकीय कणों का गतिकी चुम्बकीय गुणधर्म', सेंन्दाई, जापान में आयोजित ICMF12, अगस्त 1-5, 2010.

आर. वी. उपाध्याय, **के. पारेख**, ए. बनर्जी तथा के. कुमार, 'दुलर्भ मृदा प्रतिस्थापित चुम्बकीय फेरोफ्लूइड्स में एसी अतिसंवेदनशीलता अध्ययन', सेंन्दाई, जापान में आयोजित ICMF12, अगस्त 1-5, 2010.

एल. अल्मसी, यू. घस्सेर, वी. मलिक, **के. पारेख**, डी. ई. ग्रेयांग, जे.गुबिजा, एल. वेकेस तथा पी.श्रुन्टेनबर्गर, 'चुम्बकीय नैनोकाणों के विभिन्न संश्लेषणों तथा अभिलक्षण हेतु प्रयुक्त विभिन्न प्रयोगों की तुलनात्मक अध्ययन', सेंन्दाई, जापान में आयोजित ICMF12, अगस्त 1-5, 2010.

के. काओ, एम. ई. जु, **के. पारेख**,एच. एस. ली, 'Mn-Zn फेराइट फेरोफ्लूइड्स द्वारा संवर्धित ऊष्मीय संवाहकता ', सेंन्दाई, जापान में आयोजित ICMF12, अगस्त 1-5, 2010.

डी. डी. जे. चन्दर तथा **एम. दामोदरन**, 'लोचदार फड़फड़ाते पंखों के अन्दर छिद्रों के तरल संरचना पारस्परिकता हेतु एक विभाजित कलनविधि का कार्यान्वयन ', ओवरसेट कंपोजिट ग्रिड एण्ड सोलुशन टेक्नॉलॉजी पर 10वें परिसंवाद में प्रस्तुत, नासा एम्स रिसर्च सेंटर, मॉफेट्ट फिल्ड, कैलिफोर्निया, अमरीका, सितम्बर 20-23, 2010.

पी. थिलमॅन, 'द हायना वियर्स डार्कनेस : स्टोरिज एक टिचिंग टूल्स', राष्ट्रकूल साहित्य एवं भाषा अध्ययन संघ सम्मेलन, कैल, भारत, सितम्बर 15, 2010. इन्होंने सत्र की अध्यक्षता भी किया ।

पी. थिलमॅन,जोनाथन, 'साजीवंदानिज इमैजिन्ड मिन्स फ्राम स्लेवरी टू हैपीनेस', 'राष्ट्रकूल साहित्य एवं भाषा अध्ययन संघ (ACLALS) का पन्द्रहवा तकनीकी सम्मेलन, निकोसिया, साइप्रस, जून 7, 2010'

एस. सैनी, 'कोशिकीय अपापचयी माध्यमिक सांद्रण एवं जैव ईंधन उत्पादन पर इसके प्रभाव की सांद्रता के निनियमन में बहि:स्राव तंत्र की भूमिका', ग्रो डिजल वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली, 2010

एस. सैनी, 'साल्मोनेला में झालरदार, सूचि एवं फिम्ब्रीए जीन्स का समन्वयित नियंत्रण', संसर्गजन्य रोगों के प्रतिरूपण पर सम्मेलन, चेन्नई, 2010

छात्र प्रकाशन *